फसल : तीसी

उन्नत प्रभेद :

1. **टी 397:** औसत उपज:11 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि:120 से 130 दिन। तेल की मात्रा:44 प्रतिशत।
2. **शुभ्रा :** औसत उपज: 7 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि:130से 135 दिन। तेल की मात्रा : 44 प्रतिशत।
3. **गरिमा :** औसत उपज: 8 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि: 127 दिन। तेल की मात्रा: 42 प्रतिशत।
4. **श्वेता:** औसत उपज: 7 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि: 144 दिन। तेल की मात्रा : 44 प्रतिशत। पैरा बोआई के लिए उपयुक्त।
5. **शेखर :** औसत उपज 15 क्विंटल/हेक्टर। तैयार होने की अवधि 137 दिन। तेल की मात्रा 43 प्रतिशत।
6. **T 397 :** औसत उपज5 क्विंटल/हेक्टर असिंचित अवस्था में ।

बोआई विधि : बीज दर: 20 किलोग्राम/हेक्टर। बोआई का समय: 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक। बोआई की दूरी: कतार से कतार 30 सेमी. तथा पौंध से पौध 10 से०मी०।

खाद एवं उर्वरक (प्रति हेक्टर): 60 क्विंटल कम्पोस्ट बोआई के 20 से 30 दिन पहले खेत में डालें। सिंचित खेती के लिए 20 किलोग्राम नेत्रजन, 20 किलोग्राम स्फुर, 20 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेअर की दर से दें। अर्थात खेत की तैयारी के अन्तिम समय 44 किलोग्राम डी.ए.पी. 25 किलोग्राम यूरिया, 34 किलोग्राम एम.ओ. पी प्रति हेक्टेअर की दर से प्रयोग करें । दो ग्राम कैप्टाफ से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बोआई करें।

सिंचाई : दो सिंचाई : पहली सिंचाई फूल लगने के समय और दूसरी सिंचाई फलियों के लगने के समय।

तीसी : अल्टरनेरिया ब्लाईट : बीजोपचार करें (कैप्टाफ या कैप्टाफॉल 2 ग्राम/किलो बीज)। बोआई के एक माह बाद पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखायी पड़ने पर मैन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें।

हरदा : रोगरोधी प्रभेद के उन्नत बीजों का व्यवहार करें। हरदा के लक्षण दिखने पर मैन्कोजेब का 0.2 प्रतिशत घोल बना कर छिड़काव करें।